भारत सरकार
जल शक्ति मंत्रालय
जल संसाधन नदी विकास एवं गंगा संरक्षण विभाग
केंद्रीय जल आयोग
जल प्रणाली अभियांत्रिकी निदेशालय

सत्यमेव जयते

Government of India
Ministry of Jal Shakti
Dept. of Water Resources, RD&GR
Central Water Commission
Water System Engineering Directorate

विषय: समाचार पत्रों की कटिंग का प्रस्तुतीकरण-26-अक्टूबर-2020

जल संसाधन विकास एवं सम्बद्ध विषयों से संबन्धित समाचार पत्रों की कटिंग को केंद्रीय जल आयोग के अध्यक्ष के अवलोकन के लिए संलग्न किया गया है. इसकी साफ्ट कापी केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट पर भी अपलोड की जाएगी.

संलग्नक: उपरोक्त

(-/sd)

सहायक निदेशक

उप निदेशक(-/sd)

निदेशक (-/sd)

सेवा में

अध्यक्ष, केंद्रीय जल आयोग, नई दिल्ली

जानकारी हेतु: सभी संबन्धित केंद्रीय जल आयोग की वेबसाइट http://cwc.gov.in/news-clipping परदेखें

Rashtriya Sahara 26-October-2020

जल जीवन मिशन से मणिपुर के दूरस्थ गांवों की बुझी प्यास

नई दिल्ली (एसएनबी)। वर्ष 2024 तक देश के प्रत्येक गांव के प्रत्येक परिवार तक पेयजल कनेक्शन पहुंचाने के लिए शुरु की गई जल जीवन मिशन योजना से मणिपुर में भारत-म्यांमार सीमा स्थित दूरस्थ गांवों तक पेयजल कनेक्शन पहुंच गए हैं। इन गांवों के लोगों को घरों में पाईप लाइन के जरिए पेयजल आपूर्ति एक बड़े सपने के साकार होने जैसा दिखाई दे रहा है।

केन्द्रीय जलशक्ति मंत्रालय द्वारा देश के प्रत्येक गांव में प्रत्येक परिवार तक 2024 तक पेयजल कनेक्शन पहुंचाने के लिए जल जीवन मिशन योजना चलाई जा रही है। इस योजना का एलान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने के तत्काल बाद किया था। इस योजना के तहत देश भर के उन सभी दूरस्थ ग्रामों में भी पेयजल कनेक्शन उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिन गांवों में लोगों ने कभी पेयजल कनेक्शन की कल्पना ही नहीं की थी। इसी तरह के दो गांव भारत-म्यांमार सीमा पर हैं जो कभी पूरी तरह उग्रवाद प्रभावित थे लेकिन अब यहां जल जीवन मिशन के तहत पानी की नियमित आपूर्ति हो रही है।

मणिपुर को जलजीवन मिशन के तहत 131.80 करोड़ रुपए आवंटित

राज्य सरकार ने वर्ष 2023 तक सभी घरों में पानी के कनेक्शन की योजना बनाई है

मणिपुर के चंदेल जिले की खेंगजोय सब डिवीजन के खेंगजोय व खांगबारोल गांव हैं जिनमें खांगबरोल गांव जिला मुख्यालय से 69 और भारत-म्यांमार सीमा से 30 किलोमीटर दूर है, जिसमें 82 परिवार हैं। यहां के लिए जल आपूर्ति वर्ष 2041 को ध्यान में रखते हुए की गई है और उस समय ग्राम की अनुमानित आबादी 1000 हो जाएगी। इस गांव में गुरुत्व आधारित जल आपूर्ति पर लगभग 60 लाख रुपए खर्च आया है और इससे गांव के 450 लोगों को नल का पानी मुहैया होगा। इसी जिले की खेंगजोय सब डिवीजन का खेंगजोय गांव जिला मुख्यालय से 60 किलोमीटर और भारत-म्यांमार से 20 किलोमीटर दूर है जहां जलापूर्ति शुरु की गई है। जलशक्ति मंत्रालय के अनुसार यह क्षेत्र मानसून सीजन के दौरान मुख्य धारा से पूरी तरह कटे रहते है और इसी वजह से पर्वतीय क्षेत्रों में जल आपूर्ति योजनाओं का क्रियान्वयन सबसे बड़ी चुनौती रहा है क्योंकि आवश्यक वस्तुओं और सामग्रियों की आपूर्ति साल के एक विशेष समय में ही संभव होती है और दूसरी सबसे बड़ी चुनौती संचार की है और यहां कम संचार नेटवर्क रहता है। पहाड़ी क्षेत्रों में पहले से ही मानव श्रम की कमी है और इस तरह के कार्यो के लिए प्रशिक्षित मानव श्रम भी एक समस्या है।

मणिपुर में लगभग 4.5 लाख आवास हैं जिनमें से मात्र 30,379 आवासों में ही नल के पानी के कनेक्शन हैं। मणिपुर में वर्ष 2020-21 के दौरान राज्य सरकार ने 2 लाख घरों में पानी के क्रियाशील कनेक्शन (एफएचटीसी) देने का लक्ष्य रखा है और इस वर्ष राज्य सरकार 1 जिले, 15 ब्लॉक्स और 1275 गांवों को शत-प्रतिशत इसके दायरे में शामिल करने की योजना बना रही है। राज्य सरकार ने जल जीवन मिशन के तहत वर्ष 2023 तक सभी घरों में पानी के कनेक्शन की योजना बनाई है। मणिपुर को 2020-21 में 131.80 करोड़ रुपए की धनराशि आवंटित की गई थी जिसमें से अब तक 32.95 करोड़ जारी किए जा चुके हैं।